School Children become Agents of Change towards a healthy future generation!

Get your School Sanitation Rating Now!

What is the National Urban Sanitation Policy?

In India there are substantial deficits with respect to urban sanitation both in terms of coverage and treatment. According to official figures about 15 Million urban households in India do not have access to toilets at home of which 5 Million use public latrines and 10 Million defecate in the open. To improve the sanitation situation in urban areas, in October 2008, the Ministry of Urban Development (MoUD) approved the "National Urban Sanitation Policy" (NUSP). The overall goal of this policy is to transform urban India into community driven, totally sanitized, healthy and liveable cities and towns.

What is the National School Sanitation Initiative?

To make this endeavour a success and foster change, it was recognized that it is necessary to educate citizens when they are still young. Consequently, in 2009, the Central Board of Secondary Education (CBSE) in collaboration with the Ministry of Human Resource Development (MoHRD), the Ministry of Urban Development (MoUD) and the Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH have initiated the "National School Sanitation Initiative" (NSSI). Schools are considered to be the most important and basic links to the young generation, with a definite reach to the parents, individual families and consequently the community.

How can my school take part in the National School Sanitation Initiative?

Your school is requested to register on the website **www.schoolsanitation.com** and fill in the gender-sensitive questionnaire regarding your current sanitation situation to get a feedback on how to improve. As a result you receive a rating in five colour categories corresponding to infrastructure, institutional responsibility, environmental sustainability, health & hygiene and pedagogics as shown in the table below. According to the rating achieved, a certificate is being issued to your school. If your school improves its rating after two months, a new certificate can be requested.

	Infrastructure	Institutional Sustainability	Environmental Sustainability	Health & Hygiene	Pedagogics	% Adherence to the norms	Remarks
Green	☺	☺	☺	☺	☺	91%-100%	Excellent! Keep it up!
Blue	☺	☺	☺	😐	😐	75%-90%	Very good but scope for improvement
Yellow	😐	😐	😐	😐	😐	50%-74%	Fair – can improve
Black	😐	😐	☹	☹	☹	34%-49%	Poor – needs considerable improvement
Red	☹	☹	☹	☹	☹	Below 33%	Grim – needs immediate action

Let your students become Agents of Change– Register now!

www.schoolsanitation.com

समाज में परिवर्तन लाने में एवं एक बेहतर और स्वस्थ भविष्य की सरंचना करने बच्चे अहम भूमिका निभाते है

अपने स्कूल की सनिटेशन रेटिंग तुरंत करवाए।

नेशनल अर्बन सनिटेशन पॉलिसी (एन.यू.एस.पी) क्या हैं?

शहरी स्वच्छता (कवरेज एवं उपचार) के सन्दर्भ में भारत में मूलभूत व्यवस्थाओं की कमी है। सरकारी आंकड़ो के अनुसार १.५ करोड़ परिवारों के पास शौचालय की सुविधा नहीं है जिसमे से ०.५ करोड़ सार्वजनिक शौचालयों का प्रयोग करते है और १ करोड़ खुले में शौच करते है। शहरी स्वच्छता व्यवस्था की स्थिति में सुधार करने हेतु, शहरी विकास मंत्रालय ने अक्टूबर २००८ में नेशनल अर्बन सैनिटेशन पॉलिसी (एन.यू.एस.पी) को पारित/अनुमोदित किया। इस पॉलिसी का मुख्य उद्देश्य शहरों को पूरी तरह से साफ़ सुथरा बनाना, सामुदायिक भागीदारी द्वारा शहरों व नगरों में परिवर्तित करना है।

नेशनल स्कूल सनिटेशन इनिशिएटिव (एन. एस. एस. आई) क्या है?

इस प्रयास को सफल बनाने हेतु नागरिको की मानसिकता में परिवर्तन लाने के लिए अत्यंत आवश्यक है कि किशोर अवस्था में ही नवयुवको को इसके बारे में जानकारी प्रदान की जाए। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए परिणामस्वरूप २००९ में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई) ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी), शहरी विकास मंत्रालय (एम.ओ.यू.डी), जी.आई.ज़ेड के साथ मिलकर नेशनल स्कूल सैनिटेशन इनिशिएटिव (एन. एस. एस. आई) की शुरुआत करी। इस इनिशिएटिव की शुरुआत का मुख्य बिंदु छात्रों का बदलाव की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका है एवं स्कूल परिवारों और समुदायों तक पहुँचने का महत्वपूर्ण जरिया है।

मेरा स्कूल किस प्रकार से नेशनल स्कूल सनिटेशन में भाग ले सकता है?

आपके स्कूल से अनुरोध है कि इस वेबसाईट www.schoolsanitation.com पर रजिस्टर करवाए एवं आपके स्कूल में स्वच्छता सम्बंधित वर्तमान स्थिति, को दी गई प्रश्नावली में भरे जिससे हमे जानकारी प्राप्त हो कि कैसे आप अपनी वर्तमान स्थिति को सुधार सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप, आपके स्कूल की स्थिति अनुसार सैनिटेशन रेटिंग की जाएगी। योग्यता का मूल्यांकन अवसंरचना/ मूल भूत सुविधाये, संस्थागत उत्तरदायित्व, पर्यावरणीय सतता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता एवं प्रशिक्षण प्रणालीपर आधारित है जिसके अंतर्गत इनका वर्गीकरण पाँच रंग में किया जायेगा जिसे नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है। आपके द्वारा भरी गई प्रश्नावली और रेटिंग के आधार पर आपके स्कूल कोप्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। अगर आपके स्कूल कि स्वच्छता सम्बंधित व्यवस्था में दो माह बाद सुधार पाया जायेगा, जो कि आपकी रेटिंग में भी झलकेगा, इसके उपरांत एक नया प्रमाण पत्र जारी करने का अनुरोध किया जा सकता है।

	अवसंरचना/ मूल भूत सुविधाये	संस्थागत उत्तरदायित्व	पर्यावरणीय सतता	स्वास्थ्य एवं स्वच्छता	**प्रशिक्सन प्रणाली**	% **मानदंडो का अनुपालन**	**टिप्पणी**
हरा	☺	☺	☺	☺	☺	91%-100%	**अतिउत्तम**
नीला	☺	☺	☺	😐	😐	75%-90%	**बहुत अच्छा किन्तु सुधार की गुंजाइश**
पीला	😐	😐	😐	😐	😐	50%-74%	**संतोषजनक पर और बेहतर कर सकते है**
काला	😐	😐	☹	☹	☹	34%-49%	**खराब दुर्दशा- सुधारकी आवश्यकता**
लाल	☹	☹	☹	☹	☹	< 33%	**बहुत खराब- तत्काल उपाय की आवश्यकता**

अपने बच्चों को परिवर्तन/ बदलाव लाने काकारक बनने का मौका दे- रजिस्टर करें!

www.schoolsanitation.com